

Сводная ведомость результатов проведения специальной оценки условий труда

Наименование организации: Акционерное общество «Сочи-Парк»

Таблица 1

| Наименование | Количество рабочих мест и численность работников, занятых на этих рабочих местах | | Количество рабочих мест и численность занятых на них работников по классам (подклассам) условий труда из числа рабочих мест, указанных в графе 3 (единиц) | | | | | | |
|---|--|---|---|---------|---------|-----|-----|------|---------|
| | | | класс 1 | класс 2 | класс 3 | | | | класс 4 |
| | всего | в том числе на которых проведена специальная оценка условий труда | | | 3.1 | 3.2 | 3.3 | 3.4. | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| Рабочие места (ед.) | 310 | 310 | 0 | 310 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Работники, занятые на рабочих местах (чел.) | 526 | 526 | 0 | 526 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| из них женщин | 247 | 247 | 0 | 247 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| из них лиц в возрасте до 18 лет | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| из них инвалидов | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

Таблица 2

[illegible]

[illegible]

| Управление экономики и финансов | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|-----|-----|
| 42 | Финансовый контролер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 43 | Ведущий специалист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Отдел контроля качества | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 44 | Старший специалист по контролю качества | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 45 | Специалист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Управление безопасности | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 46 | Начальник управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Отдел безопасности гостиничного комплекса | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 47 | Заместитель начальника управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 48 | Старший специалист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 49A | Старший смены | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 50A (49A) | Старший смены | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 51A | Инспектор | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 52A (51A) | Инспектор | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Отдел экономической безопасности | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 53 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 54 | Главный специалист по экономической безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 55 | Специалист по экономической безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Отдел информационно-безопасности | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 56 | Руководитель направления информационной безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 57 | Главный специалист по информационной безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Отдел режима и охраны | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 58 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 59 | Специалист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 60 | Специалист по документации | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 61A | Дежурный | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 62A (61A) | Дежурный | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 63A | Инспектор | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 64A (63A) | Инспектор | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 65A | Инспектор-контролер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 66A (65A) | Инспектор-контролер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 67 | Оператор видеонаблюдения | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Дирекция технической эксплуатации | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Производственно-технический отдел | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 68 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 69 | Заместитель начальника отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 70 | Ведущий инженер-сметчик | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 71 | Ведущий инженер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| 72 | Инженер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | Нет | Нет | Нет |
| Отдел производственного контроля | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------------|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 169А (168А) | | Уборщик | | | | | | | | | | | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
|-------------|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 210А | Хостес | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 211А (210А) | Хостес | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 212А | Старший официант | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 213А (212А) | Старший официант | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 214А | Официант | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 215А (214А) | Официант | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 216А (214А) | Официант | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 217 | Шеф-повар | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 218 | Су-шеф | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 219А | Повар | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 220А (219А) | Повар | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 221А (219А) | Повар | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 222А | Стовард | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 223А (222А) | Стовард | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 224 | Уборщик | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| Отдел организации мониторинга оказания услуг общественного питания, санитарно-эпидемиологического контроля и безопасности пищевой продукции | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 225 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 226 | Главный специалист по ХАССП | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 227 | Старший санитарный врач | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 228 | Специалист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| Дирекция по маркетингу и продажам | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 229 | Директор по маркетингу и продажам | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 230 | Заместитель директора по маркетингу и продажам | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 231 | Ассистент дирекции | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| Отдел маркетинга | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 232 | Заместитель директора по маркетингу и продажам, бренд-менеджер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 233 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 234 | Мультимедиа дизайнер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 235 | Графический дизайнер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 236 | СММ менеджер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 237 | Пиар менеджер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 238 | Менеджер по рекламе | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| Отдел диджитал-маркетинга | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 239 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 240 | Менеджер по продвижению в интернете | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 241 | Контент-менеджер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 242 | Менеджер по веб-продуктам | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| Отдел по организации и проведению мероприятий | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 243 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 244А | Специалист по организации мероприятий | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 245А (244А) | Специалист по организации мероприятий | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | - | - | - | - | 2 | - | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |

Ведущий специалист по охране труда и пожарной безопасности отдела производственного контроля дирекции технической эксплуатации

(должность)



(подпись)

Дëмина М.И.

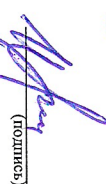
(Ф.И.О.)

17.09.2021

(дата)

Начальник отдела медицинского обеспечения – представитель трудового коллектива

(должность)



(подпись)

Раздобреева И.И.

(Ф.И.О.)

17.09.2021

(дата)

Эксперт(-ы) организации, проводившей специальную оценку условий труда:

4798

(№ в реестре экспертов)



(подпись)

Рындинова Виктория Вадимовна

(Ф.И.О.)

01.09.2021

(дата)